हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, मंगलवार, 10 जून 2025

तापमान
अधिकतम 46 .4 डिग्री
न्यूनतम 24 .8 डिग्री

11 अर्धनग्न होकर किया प्रदर्शन आमरण ...

12 पिता की गालियां छुड़वाने वाली पश्चिम ...

खबर संक्षेप

मदविः सेमेस्टर परीक्षाओं का परिणाम जारी

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय ने बीए-एलएलबी आनर्स पंच वर्षीय पाठ्यक्रम के तीसरे सेमेस्टर की रेगुलर तथा पीजी डिप्लोमा इन इंटेल्क्यूअल प्रॉपर्टी राइट्स के दूसरे सेमेस्टर की परीक्षा का परिणाम जारी कर दिया है। परीक्षा नियंत्रक प्रो. राहुल ऋषि ने बताया कि परीक्षा परिणाम वेबसाइट पर उपलब्ध रहेगा।

मदवि में सेमेस्टर परीक्षाएं 16 से

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय की पीजी डिप्लोमा इन रिहैबिलिटेशन साइकोलॉजी प्रथम सेमेस्टर री-अपीयर की परीक्षाएं 16 जून से तथा यूजी प्रोग्राम्स- कंप्यूटर अवेयरनेस लेवल सेकेंड एंड लेवल थर्ड के चौथे व छठे सेमेस्टर की परीक्षाएं 15 जून से प्रारंभ होंगी। परीक्षा नियंत्रक प्रो. राहुल ऋषि ने बताया कि डेटशीट विश्वविद्यालय वेबसाइट पर उपलब्ध रहेगी।

युवक के साथ 52 हजार रुपये की ठगी, केस दर्ज

रोहतक। गांव खेड़ीसाध में एक युवक के साथ 52 हजार रुपये की ठगी हो गई। पुलिस ने केस दर्ज करके मामले की जांच शुरू कर दी है। आईएमटी थाना पुलिस को दी शिकायत में उमेश ने बताया कि वह गांव खेडीसाध का रहना वाला है। मैंने क्रेडिट कार्ड बनवाया था। 1 जून को मेरे पास एक फोन आया। जिसने बतया कि आप अपना क्रेडिट कार्ड को एक्टिवेट करलो। जिसने मेरे वाटसप पर एक फरोड एप भेज दी। फिर मैंने क्रेडिट की सारी डिटेल भर दी। इस दौरान मेरे क्रेडिट कार्ड से 52 हजार 252 रुपये का फरोड हो गया।

सोमवार को आपूर्ति 90 लाख 10 हजार यूनिट पहुंची

गर्मी ने किया बेहाल, 6 दिन में 15 लाख यूनिट बढ़ी बिजली की मांग

- तापमान बढ़ते ही लोग पंखे, कूलर और एसी का ज्यादा इस्तेमाल करने लगे
- 4 वर्षो में इस बार अभी तक जून में सबसे ज्यादा बिजली की बढ़ी है डिमांड

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

तापमान में हर रोज बढ़ोतरी हो रही है। जिससे बिजली निगम की सांसें भी ऊपर नीचे होने लगी हैं। गत 4 जून को हरियाणा बिजली वितरण निगम के रोहतक सर्कल में 75 लाख 11 हजार यूनिट की आपूर्ति की गई थी। वहीं, आज सोमवार 9 को सप्लाई 90 लाख 10 हजार यूनिट पहुंच चुकी है। बीते छह दिन में 15 लाख यूनिट की डिमांड बढ़ी है। वहीं, पिछले 4 वर्षों में इस बार अभी तक जून में सबसे ज्यादा बिजली की डिमांड बढ़ी है। मौसम के हालात ऐसे ही रहे तो मांग और भी बढ़ेगी। चौधरी चरण सिंह कृषि विश्वविद्यालय हिसार के तरफ सोमवार को जारी किए गए पूर्वानुमान के मुताबिक 13 जून तक गर्मी से राहत नहीं मिलेगी। यानि के अभी 4 दिन और भीषण गर्मी हमें झेलनी पड़ेगी। कृषि मौसम विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. मदन खीचड़ ने बताया कि राज्य में 13 जून तक मौसम आमतौर पर खुश्क रहने की संभावना है। इस दौरान उत्तर पश्चिमी व पश्चिमी हवाएं चलने की संभावना हैं। जो गर्म व खुश्क होने से दिन के तापमान में बढ़ोतरी और होगी। दिन के तापमान में बढ़ोतरी से बीच बीच में हल्के बादल तथा कहीं कहीं धूलभरी हवाएं भी चलेंगी। परंतु 14 जून को हवाओं में बदलाव पश्चिमी से उत्तर पूर्वी हो जाएंगी। जिसे वातावरण में नमी की मात्रा बढ़ेगी व आंशिक बादलवाई भी होगी।

रोहतक। बिजली ठीक करते कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

लोड बढ़े, कॉलोनियां चिह्नित की गई

सिटी डिविजन के अंतर्गत सब डिवीजन नंबर एक में सनसिटी सेक्टर-35, हिसार रोड, गढ़ी मोहल्ला, अंबेडकर नगर, माता दरवाजा के पास, सब डिवीजन नंबर दो में अमृत कॉलोनी, श्रीराम नगर, शुगर मिल कॉलोनी, झज्जर रोड, आनंद नगर, न्यू विजय नगर, शीतल नगर, जनता कॉलोनी, विजय नगर, हरी सिंह कॉलोनी, सब डिवीजन नंबर तीन में सैनिक कॉलोनी, सनसिटी सेक्टर 36 ए, सुखपुरा चौक, राजेंद्र नगर, बैंक कॉलोनी, सूर्य नगर, आजादगढ़, सेक्टर एक, दो, तीन व 14 में लोड नहीं बढ़वा रहे हैं।

डिमांड बढ़ने से दिक्कत

जून में तापमान बढ़ने से ट्रांसफार्मर हीट ले जाते हैं। इसके अलावा बिजली की डिमांड बढ़ती है, तो ओवरलोड हो जाता है। ओवरलोड होने से बिजली कटौती का मैसेज आता है। मजबूरन उन्हें बिजली बंद करनी पड़ती है। आगे डिमांड और बढ़ने की संभावना है। उपभोक्ता अगर बिजली की खपत में कमी लेकर आएं तो इससे स्थिति संभाली जा सकती है।-**बिजेंद्र नरवाल**, एसई, बिजली निगम, रोहतक

पिछले छह दिनों की खपत

जून	यूनिट
4	75.11
5	76.05
6	78.06
7	80.10
8	86.11
9	90.10

पिछले 4 साल में मई से जून तक बिजली की आपूर्ति

माह	प्रतिदिन की यूनिट
2020	
मई	32 से 43 लाख
जून	37 से 48 लाख
2021	
मई	38 से 45 लाख
जून	40 से 54 लाख
2022	
मई	36 से 46 लाख
जून	38 से 51 लाख
2023	
मई	36 से 47 लाख
जून	38 से 56 लाख
2024	
मई	40 से 55 लाख
जून	40 से 70 लाख

इन फीडरों पर बिजली खपत बढ़ने का दावा

बिजली निगम की टीम 11 केवी सनसिटी सेक्टर 35, 11 केवी सैनिक कालोनी द्वितीय, 11 केवी सनसिटी, 11 केवी गोहाना रोड, 11 केवी सुनारिया रोड, 11 केवी राजेंद्र नगर, 11 केवी एमएस मिल, 11 केवी डिस्पोजल नंबर दो, गौड़ कॉलेज, जनता कॉलोनी आदि फीडरों पर बिजली खपत बढ़ने का दावा कर रही है।

तेल गर्म होने के कारण ब्लास्ट हो सकता है ट्रांसफार्मर

शहर में लगे 12 सौ ट्रांसफार्मर व फीडरों का तेल आजकल 50 डिग्री सेल्सियस पर उबल रहा है। इनमें से कई तो ऐसे हैं जो 70 डिग्री सेल्सियस तक गर्म हो जाते हैं। जिनको उसी समय बंद करना पड़ता है। यदि ट्रांसफार्मरों का तेल इससे ज्यादा गर्म हो जाए तो ट्रांसफार्मर के ब्लॉस्ट होने तक का अंदेशा है, जिससे ट्रांसफार्मर के आसपास रहने वाले कर्मचारियों को भी नुकसान हो सकता है। ऐसे में यदि हादसा हो जाए तो इसका जिम्मेदार कौन होगा।

लेफ्टिनेंट अभिनव राठी को बेस्ट कैडेट की ट्रॉफी भेंटकर सम्मानित किया गया।

लेफ्टिनेंट अभिनव राठी बेस्ट हेलीकॉप्टर पायलट और ऑल राउंड बेस्ट कैडेट बने

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

बसाना गांव, हाल निवासी सेक्टर 3 के सूबेदार जीतपाल राठी के पुत्र लेफ्टिनेंट अभिनव राठी ने नेवल एविएशन में बेस्ट हेलीकॉप्टर पायलट और प्रशिक्षण में ऑल राउंड प्रथम स्थान प्राप्त कर रोहतक और हरियाणा का नाम पूरे देश में रोशन किया है। 9 जून सोमवार को आईएनएएस अराकोरनम तमिलनाडु में आईएनएस रजाली पर एक भव्य परेड में नेवल पूर्वी कमान के चीफ आफ स्टाफ वाइस एडमिरल राजेश पंडेरकर, अति विशिष्ट सेवा मेडल, विशिष्ट सेवा मेडल ने उनके पिता सूबेदार (शिक्षा) जीतपाल राठी और उनकी माता निर्मल राठी की उपस्थिति में लेफ्टिनेंट अभिनव राठी को बेस्ट हेलीकॉप्टर पायलट और ऑल राउंड बेस्ट कैडेट की ट्रॉफी भेंटकर सम्मानित किया। उनके पिता सूबेदार जीतपाल राठी ने बताया कि यह हमारे लिए बड़े गौरव का पल था, जब हमारा बेटा पूरे भारत में प्रथम स्थान पर प्राप्त कर बेस्ट केडिट और बेस्ट हेलीकॉप्टर पायलट की ट्रॉफी ग्रहण कर रहा था। वॉइस एडमिरल राजेश पंडेरकर ने उनके माता-पिता से बातचीत की और उन्हें उनके होनहार सपूत को भारत का गौरव बताते हुए उन्हें हार्दिक शुभकामनाएं और मुबारकबाद दी।

दो युवकों को अवैध हथियार सहित दबोचा

रोहतक। सीआईए-2 की टीम ने अलग-अलग जगहों से दो युवकों को अवैध हथियार सहित गिरफ्तार किया है। आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज करके कार्यवाही की गई है। आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया है। सीआईए-2 प्रभारी सतीश कुमार ने बताया कि आईएमटी नौनंद मोड़ से युवक को शक के आधार पर काबू किया गया। युवक की पहचान सचिन उर्फ़ विक्टोरी निवासी अटायल के रुप में हुई। युवक के पास से एक देसी पिस्तौल (कट्टा) व दो रौंद बरामद हुआ है। आरोपी के खिलाफ आईएमटी थाना में केस दर्ज करके गिरफ्तार किया गया है। वहीं, दूसरी ओर बस स्टैंड सांपला झज्जर रोड के पास से युवक को शक के आधार पर काबू किया गया। युवक की पहचान अश्वनी उर्फ़ लटेशरी निवासी सुंदरपुर के रुप में हुई। युवक के पास से एक देसी पिस्तौल बरामद हुआ है। आरोपी के खिलाफ सांपला थाना में केस दर्ज करके गिरफ्तार किया गया है।

जींद रोहतक रोड स्थित भगवतीपुर पुल के नजदीक हादसा

ट्रैक्टर व बाइक की टक्कर दो युवक घयाल, केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

जींद रोहतक रोड स्थित भगवतीपुर पुल के नजदीक मोटरसाइकिल व ट्रैक्टर की टक्कर हो गई। जिसमें बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए, घायलों को राहगीरों की मदत से पीजीआई के ट्रामा सेंटर भेजा गया। जहां युवकों का उपचार चल रहा है। बता दें कि देर रात 10.30 बजे भगवतीपुर पुल के नजदीक मोटरसाइकिल व ट्रैक्टर की टक्कर हो गई। जिसमें बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने ट्रैक्टर को कब्जे में ले लिया। पुलिस ने ट्रैक्टर चालक के खिलाफ केस दर्ज करके मामले की जांच शुरू कर दी।

गांव बोहर में 2 अवैध निर्माण और 6 नींव को किया ध्वस्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

उपायुक्त धर्मेंद्र सिंह ने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा नियमित रूप से जिला के नियंत्रित एवं शहरी क्षेत्र में अवैध निर्माण-कॉलोनियों के विरुद्ध अभियान चलाया जा रहा है। धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि अभियान के तहत नगर निगम क्षेत्र के गांव बोहर में विकसित की जा रही एक अवैध कॉलोनी में 6 नींव, 2 अवैध निर्माण, डब्ल्यूबीएम रोड़ नेटवर्क को ध्वस्त किया गया। यह अभियान भविष्य में भी जारी रहेगा तथा अवैध कालोनी-निर्माण को पनपने नहीं दिया जाएगा। जिला नगर योजनाकार सुमनदीप ने नागरिकों से अपील की है कि वे अपनी जीवन की पूंजी अवैध निर्माणों में या डीलर-भू-मालिकों के द्वारा काटी जा रही अवैध कालोनियों में निवेश न करें क्योंकि इस तरह की विभागीय कार्यवाही समय-समय पर प्रशासन द्वारा अमल में लाई जायेगी।

मदवि गैर शिक्षक कर्मचारी संघ के दो पदाधिकारी लड़ रहे हैं अस्तित्व की लड़ाई

नहीं, मैंने 1.5 लाख रुपये निकाले खाते से, कहा प्रधान ने, कोषाध्यक्ष तो 1,00000 ही बता रहे थे

अनिल मल्होत्रा विजयपाल धनखड़

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय गैर शिक्षक कर्मचारी संघ के कोषाध्यक्ष विजयपाल धनखड़ ने प्रधान अनिल मल्होत्रा पर सोमवार को एक और नया आरोप लगाया। धनखड़ ने कहा कि प्रधान ने कोषाध्यक्ष के हस्ताक्षरों के बिना ही यूनियन के खाते से एक लाख रुपये निकाल लिए। इसके प्रत्युतर में प्रधान ने कहा कि उन्होंने एक लाख नहीं, बल्कि डेढ़ लाख रुपये निकाले हैं। हर महीने कर्मचारी सेवानिवृत्त हो रहे हैं, उनके लिए चाय-पार्टी और पारंपरिक उपहार देने के लिए पैसों की जरूरत पड़ती है। ऐसे में कोषाध्यक्ष अपनी जिम्मेदारी से पीछे हटेंगे तो क्या मैं भी पीछे हट जाऊं। आरोप लगाने में मल्होत्रा ने सोमवार को धनखड़ को पीछे छोड़ दिया। मल्होत्रा ने कहा कि धनखड़ यूनिवर्सिटी प्रशासन से मिले हुए हैं। तभी तो आए दिन बेतुकी आरोप लगा रहे हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन चाहता है कि यूनियन के पदाधिकारी आपस में ऐसे ही उलझे रहे। और प्रशासन को कर्मचारियों की मांग पूरी ही ना करनी पड़े। कोषाध्यक्ष डॉ. विजयपाल ने कहा कि प्रधान अनिल मल्होत्रा ने संघ के सारे नियम कायदों को ताक पर रख दिया है। बीते सात आठ महीने से जो मर्जी आए, वह कर रहे हैं। यूनियन के खातों से पैसों को प्रधान और कोषाध्यक्ष के साइन से निकाला जाता है, ताकि वित्तीय गड़बड़ियां न हो। लेकिन प्रधान ने पिछले दिनों एक लाख रुपये मेरे हस्ताक्षर के बिना ही खाते से निकाल लिया, ये दावा धनखड़ ने किया है। इन्होंने कहा कि पैसा कर्मचारियों का है, कोई भी प्रधान इसे ऐसे ही विड्राल नहीं कर सकता है। इसके लिए बकायदा संघ ने नियम बनाए हैं। प्रधान नियम कायदों को नहीं मान रहा है। ऐसे वह कर्मचारियों क हितों के लिए काम भी नहीं करेगा। विजयपाल ने कहा कि प्रधान विश्वविद्यालय के अधिकारियों से सांठगांठ किए हुए हैं। तभी सात महीने बीत जाने के बाद भी आज तक एक मांग भी वे यूनिवर्सिटी से पूरी नहीं करवा सके।

कोषाध्यक्ष और प्रधान के बीच जुबानी जंग जारी

कर्मचारियों की मांग यूनिवर्सिटी पूरी करेगी या नहीं है ये तो अगले एक दो दिन में मालूम हो जाएगा। अब वीसी भी कैंपस में लौट चुके हैं। प्रधान अनिल मल्होत्रा पिछले दिनों कह रहे थे कि कुलपति अभी बाहर हैं। बीते पांच छह दिन से कोषाध्यक्ष और प्रधान के बीच जारी जुबानी जंग को लेकर कर्मचारी कह रहे हैं कि ये दोनों ही अपने-अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहे हैं। इनमें कौन ठीक कह रहा है और कौन गलत ये सब कर्मी बाखूबी जानते हैं। कर्मचारी अपनी मांग विश्वविद्यालय अधिकारियों से सीधे मिलकर पूरी करवा लें, ऐसा कोई रास्ता उनके पास होता है नहीं। ऐसे में यूनियन के पदाधिकारियों की कृपा दृष्टि से एम्पलाइज की डिमांड पूरी होती है।

फादर्स-डे, 15 जून स्पेशल

नए दौर के केयरिंग-लविंग पापा

वह दौर गया जब परिवार में पिता की बहुत सख्त छवि हुआ करती थी। बच्चों की परवरिश पर वह ज्यादा ध्यान नहीं देते थे, यह जिम्मेदारी मां की होती थी। आज के पापा अपने बच्चों की जिम्मेदारी बहुत खूबसूरती से निभा रहे हैं। वे अपनी पारंपरिक छवि से बाहर आकर एक संवेदनशील गाइड के रूप में दिख रहे हैं। आज के पापा अपने बच्चों की भावनात्मक जरूरतों को समझते हैं। आज के केयरिंग पापा, बच्चों के करियर के प्रति भी कॉन्शस हैं। वह उनके सर्वांगीण विकास में अपना अहम योगदान दे रहे हैं।

कवर स्टोरी

नयनतारा

आज के समय में पिता की पारंपरिक भूमिकाएं कुछ दशकों पहले के मुकाबले बहुत बदल गई हैं। आज के पिता अपने बच्चों के केवल पालक या उन्हें अनुशासन में रखने वाले भर नहीं, अपने बच्चों के जीवन में भावनात्मक, बौद्धिक और सामाजिक विकास में सक्रिय भूमिका निभाने वाले और मजबूत बनाने वाले मेंटर हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो आज के पिता अपने बच्चों को पाल-पोसकर बड़ा ही नहीं कर रहे, उनका व्यक्तित्व निर्माण भी कर रहे हैं।

पारंपरिक जिम्मेदारियों से बहुत आगे: कुछ दशक पहले तक जहां पिता का काम मुख्य रूप से परिवार का पालन-पोषण और उसे आर्थिक रूप से सुरक्षित करना होता था, वह काम तो आज भी पिता के जिम्मे है, लेकिन अब उनकी भूमिकाएं इस पारंपरिक जिम्मेदारी से काफी हद तक आगे बढ़ चुकी हैं। आज के पापा अपने बच्चों के स्कूल प्रोजेक्ट में हेल्प करते हैं, उनकी पढ़ाई-लिखाई का ध्यान रखते हैं, इस पर अपना जरूरी दखल देते हैं, पैरेंट्स टीचर मीटिंग में शामिल होते हैं, बच्चों के शारीरिक स्वास्थ्य से लेकर उनके मानसिक स्वास्थ्य तक की परवाह करते हैं।

एक संवेदनशील गाइड का रोल: आज के पापा अपने बच्चों के पालन-पोषण के साथ उनके सर्वांगीण विकास में अपनी महती भूमिका निभा रहे हैं। इस वर्ष 15 जून को मनाए जाने वाले फादर्स-डे की इस साल की थीम भी कमोबेश यही है। इस साल की थीम, 'फादर्स: नर्चरिंग रिलेशन एंड शेपिंग फ्यूचर' यानी बच्चों का लचीलापन के साथ पोषण करते हुए उनके भविष्य को आकार देना है। अगर कहा जाए कि इस थीम को भारत के

महानगरों में ही नहीं बल्कि छोटे और मझोले शहरों में भी पहले से ही, आज के पापाओं ने अपना लिया है, तो इसमें कोई दो राय नहीं होगी। मसलन, आज के पिता पारंपरिक पिताओं की तरह घर में अनुशासन सिखाने वाले वट वृक्ष नहीं हैं, उनकी भूमिका एक संवेदनशील गाइड के रूप में उभर रही है। जबकि कुछ दशक पहले तक हमारे पारंपरिक पिता कठोर अनुशासन के प्रतीक हुआ करते थे। आज के पापा अपने बच्चों की भावनाओं को सुनते हैं, उनसे खुले रूप में संवाद करते हैं और उनकी पसंद-नापसंद पर ध्यान देते हैं। इन सबके साथ ही आज के पापा बच्चों की भौतिक के साथ-साथ भावनात्मक जरूरतों को भी समझते हैं।

घरेलू कामों में सक्रिय भागीदारी

बीते दौर में पिता अपनी भूमिकाओं को घर के बाहर के कामों तक ही सीमित रखते थे, जबकि आज के पिता घरेलू कामों में भी सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। वे खाना बना रहे हैं, बच्चों को मांओं की तरह लिखा-पढ़ा रहे हैं, उन्हें स्कूल जाने के लिए तैयार कर रहे हैं, कई बार स्कूल छोड़ने और लाने भी जाते हैं। आज के पापा ये काम हंसी-खुशी कर रहे हैं। इतना ही नहीं, आज के दौर के पापा घर के किसी विशेष आयोजन में साफ-सफाई से लेकर किचन तक की भूमिकाओं में सहयोग करने को तत्पर रहते हैं। अब पापा पहले जैसे घर के बाहर ही काम करने वाले नहीं रहे।

बच्चों के करियर के प्रति कॉन्शस: आज के पापा बच्चों के करियर पर भी ध्यान देते हैं, उनकी पसंद-नापसंद यानी उनकी हॉबी को विकसित करने में, उनमें उसे विशेष पारंगत बनाने में भी जो संभव भूमिका होती है, उसे निभाते हैं। यही नहीं वे बच्चों की आत्मनिर्भरता को गंभीरता से लेते हैं। पहले के पिता बच्चों पर अकसर अपने सपने थोप देते थे, जबकि आज के पिता अपने बच्चों के सपनों को महत्व देते हैं। अगर उनके बच्चे पारंपरिक करियर से हटकर किसी ऐसे करियर में रुचि दर्शाते हैं, जो अभी तक बहुत सफल और स्पष्ट नहीं, तो आज के पिता उनके इस जोखिम पर भी साथ खड़े होने की हिम्मत दिखाते हैं।

नई तकनीक सीखने में कोई हिचक नहीं: आज के पापा अब डिजिटल दुनिया में बच्चों के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने की कोशिश करते हैं। जबकि कुछ दशक पहले तक बच्चे और उनके पिता तकनीक के मामले में अलग-अलग दौर में जीते थे। कुछ दशक पहले तक पिता बड़ी आसानी से यह बात स्वीकार कर लेते थे कि नए जमाने की तकनीक से उनका क्या लेना-देना है? यह बच्चों की जरूरत है, उन्हें ही इसकी जानकारी रखनी चाहिए। जबकि आज के पापा न सिर्फ नए जमाने की तकनीक पर दिलचस्पी लेते हैं बल्कि वे इस पर दक्षता भी हासिल करते हैं ताकि अपने बच्चों को भी इसमें दक्ष बना सकें या उनके साथ उनके स्तर पर बर्ताव कर सकें। यही कारण है कि सोशल मीडिया, गेम्स और इंटरनेट से जुड़ी आज की अभिरुचियां बच्चों और उनके पापाओं में किसी हद तक साझी हो चली हैं। आज के पापा अपने बच्चों को रिस्पॉन्सिबल डिजिटल सिटीजन बनने में उनको अपनी गाइडेंस देते हैं।

को-पैरेंटिग में यकीन: आज के पिता पालन-पोषण को सिर्फ बच्चों की मांओं की जिम्मेदारी नहीं समझते बल्कि को-पैरेंटिंग के विचार पर यकीन रखते हैं। इसलिए आज माता-पिता दोनों मिलकर बच्चों की जिम्मेदारी उठाते हैं। यही कारण है कि पिता अब समान रूप से एक जिम्मेदार अभिभावक बन चुके हैं। विशेष रूप से सिंगल फादर या स्टे एट होम डैड की संज्ञा दिनों दिन बढ़ रही है। इसलिए माना जाता है कि भारत में पिता की भूमिकाएं कुछ दशक पहले तक के पिता की भूमिकाओं से काफी हद तक बदल गई हैं।

पापा और बच्चे दोनों जाहिर कर रहे हैं अपनी फीलिंग्स: भारत में पिताओं के स्वभाव और उनकी इस सोच में परिवर्तन लाने में किसी हद तक फादर्स-डे की भी अपनी भूमिका है। हालांकि पश्चिम की तरह भारत में फादर्स-डे कोई त्योहार नहीं है, लेकिन यह मानने में कतई गुरेज नहीं करना चाहिए कि आज के शहरी भारत में फादर्स-डे जैसे स्पेशल डे की अपनी एक संवेदनशीलता है। यही वजह है कि हमारी पारंपरिक संस्कृति में फादर्स-डे न होते हुए भी आज के भारत में यह बड़ी तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। बच्चे आजकल फदर्स-डे का बड़े उत्साह के साथ इंतजार करते हैं। हमारे देश के बच्चे भी पश्चिमी देशों के बच्चों की तरह अपने पापाओं को इस दिन कार्ड देते हैं, उन्हें व्यक्तिगत रूप से संदेश देते हैं, शुभकामनाएं देते हैं और पापाओं के प्रति अपने प्रेम-स्नेह को प्रकट करते हैं। जबकि पहले हमारे यहां का चलन यह था कि न तो पिता, इस बात को जाहिर होने देते थे कि वे अपने बच्चों को बहुत प्यार करते हैं और न ही बच्चे सार्वजनिक रूप से यह दिखाते थे कि वे अपने पिता का बहुत आदर-सम्मान करते हैं।

फादर्स-डे की उपयोगिता: पिछले एक-दो दशक में सिर्फ शहरी भारत की लाइफस्टाइल ही तेजी से नहीं बदली, बल्कि समग्रता में बहुत-सी नई और अनुकरणीय पश्चिमी बातों को भी हमारा शहरी समाज खुले दिल से स्वीकार कर रहा है। यही कारण है कि अब फादर्स-डे एक सम्माननीय दिन बन चुका है और यह हमारे बच्चों के समग्र विकास के लिए बहुत लाभकारी भी साबित हुआ है।

बहुत अनमोल होता है, पिता-बेटी का रिश्ता। जहां बेटी के लिए पिता शीतल छाया, उसके जीने की राह होते हैं, वहीं लाडली बेटियां भी अपने पिता की मुस्कान, अभिमान होती हैं। पिता के लिए बेटियां ईश्वर की सबसे बड़ी नियामत, उनके जीवन की सुगंध होती हैं। पिता-बेटी के प्यारे-सलोने रिश्ते को रेखांकित करता आलेख।

बहुत प्यारा-न्यारा होता है पिता-बेटी का रिश्ता

भीने-मीठे एहसास

श्रुति आयंगर

बहुत प्यारा, बहुत न्यारा होता है पिता-बेटी का रिश्ता, जिसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता, बस एहसास किया जा सकता है। जब पहली बार नन्ही-सी परी अपने पिता की गोद में आती है, तो एक नासमझ-सा युवा अचानक बहुत समझदार-जिम्मेदार हो जाता है। जब वह अपनी नन्ही बिटिया को गोद में लेता है तो उसे इस बात का बोध होता है, जिंदगी के हर मोड़ पर उसे अपनी गुड़िया के साथ खड़े रहना है, साथ निभाना है। उसकी हर खुशी का ख्याल रखना है। हर लड़की अपने पापा की प्यारी-प्रिंसेस होती है। पिता-बेटी के अनमोल रिश्तों के एक नहीं कई पहलू हैं।

बहुत अलग है केमिस्ट्री-बॉन्डिंग: पिता-बेटी के बीच ऐसी खूबसूरत केमिस्ट्री-बॉन्डिंग होती है, जिसे और कोई नहीं समझ सकता है, बस वे दोनों ही समझ सकते हैं। एक बेटी अपने पिता की बात जितनी जल्दी जान पाती है, उतना दूसरा कोई नहीं। तभी तो सब कहते हैं कि पापा के दिल के सबसे करीब होती है उनकी प्यारी बिटिया। हर लड़की अपने पिता की छत्रछाया में खुद को सुरक्षित महसूस करती है।

पापा हैं सुपरमैन: हर बेटी की नजरों में उसके पापा किसी सुपरमैन से कम नहीं होते। उनके पास हर मुश्किल का जादुई हल होते हैं। चाहे वो टूटे खिलौने को जोड़ना हो या फिर बिटिया का बिगड़ा मूड ठीक करना हो या मम्मा की डांट से बचाना हो या मम्मी से छुपाकर बेटी को अपनी फेवरेट चॉकलेट, आइसक्रीम खाना हो, पापा इन सभी कामों को मजे से अंजाम देते हैं। पापा ऑफिस के तनाव में भी अपनी गुड़िया की बातें सुनते हैं, उसकी हर शरारत में उसके साथी बन जाते हैं। अपनी बेटी की मुस्कान उनके लिए सबसे बड़ी नियामत होती है। बेटी के लिए पापा सब कुछ करने को तैयार रहते हैं। उसकी हर एक फरमाइश को पूरा करते हैं। यही तो होता है-रियल सुपरमैन। जब नन्ही बिटिया के गिरने पर उसे चोट लगती है, तो वह यही सोचती है, 'डोंट वरी, पापा हैं ना, फूंक मार देंगे, तो सब ठीक हो जाएगा।' और

सच्चा और अटूट रिश्ता

पिता-बेटी का रिश्ता वक्त के साथ कभी बदलता नहीं है, पिता-बेटी का रिश्ता शब्दों का भी मोहताज नहीं होता है। बचपन में बेटी की पहली मुस्कान से लेकर उसके हर सपने तक, विदाई तक, पापा हर मोड़ पर उसके साथ रहते हैं। वक्त गुजरता है, बेटी बड़ी हो जाती है, जिम्मेदारियां बदल जाती हैं- पर पिता का प्यार उसकी परवाह और उसका रिश्ता वैसा का वैसा रहता है, हमेशा एक जैसा, सच्चा और अटूट।

वाकई पापा के ऐसा करने पर बिटिया अपनी चोट भूल जाती है, दर्द उड़न-छू हो जाता है।

बेस्ट फ्रेंड होते हैं पापा: बेटी जब धीरे-धीरे बड़ी होती है, पापा उसके लिए सिर्फ पिता नहीं होते, बेस्ट फ्रेंड हो जाते हैं। जब तब आराम से बैठकर घंटों बातें करते हैं, स्कूल-कॉलेज के किस्से सुनते हैं। अपने डर और सपने बताना है या या कोई खुशी या दुख जाहिर करना है, ये सब बातें बेटियां बेझिझक अपने पापा से ही शेयर करती हैं। उनका सच्चा बेस्ट फ्रेंड अगर कोई है तो वो पापा ही होते हैं। वे ऐसे फ्रेंड होते हैं, जो ना जज करते हैं, ना नाराज होते हैं, ना कभी धोखा देते हैं। पापा अपनी बेटी के मन की बातें बिना कहे की समझ जाते हैं।

प्रेरणास्रोत हैं पापा: बचपन में जब बेटी चलना सीखती है, तो पापा उसकी अंगुली थामे रहते हैं, चलना सिखाते हैं। फिर पूरी जिंदगी यही अंगुली राह दिखाती है- कभी सलाह बनकर तो कभी हौसला बढ़ाकर। बेटी के लिए पापा सिर्फ एक अभिभावक नहीं होते, उसके सबसे बड़े प्रेरणा स्रोत होते हैं, जो उसे कभी हार नहीं मानने देते हैं। अपनी लाडली की सबसे बड़ी ताकत बन जाते हैं पापा।

बॉन्डिंग

अलका 'सोनी'

मां का प्यार तो खिली धूप जैसा प्रकट दिखता है, महसूस होता है, जबकि पिता का प्यार शीतल छाया की तरह हमेशा पास होकर भी अदृश्य रहता है। लेकिन कठिन समय में वही छाया संतान के लिए सुरक्षा कवच बन जाती है।

प्यार तो करते हैं पर जताते नहीं पापा

मां के प्यार को तो अकसर शब्द, स्पर्श और आंसुओं में ढूंढ़ लिया जाता है, लेकिन पिता का प्यार, अकसर मौन होता है, गहरा होता है और छुपा होता है। वह प्यार जो न लोरी बनता है, न गले लगकर बहता है, लेकिन अपनी संतान की हर छोटी-बड़ी जरूरत को पूरा करने के लिए हमेशा उपस्थित होता है। सच, हम सबके पापा ऐसे ही होते हैं, जो जताते नहीं, फिर भी सबसे अधिक प्यार करते हैं।

प्रतीकों में प्रकट होता प्यार

पिता अपनी भावनाओं को शब्दों से नहीं, प्रायः प्रतीकों में और मौन गतिविधियों से व्यक्त करते हैं। सर्दी की ठिठुरती रात में वे आधी रात को अकसर उठकर चुपचाप आपको कंबल ठीक से ओढ़ा जाते हैं। आपके बीमार होने पर जब तक आपको नींद नहीं आ जाती बेचैनी से चहलकदमी करते रहते हैं या आपके सिरहाने बैठ जाते हैं। आपके कॉलेज ट्रिप पर जाने की सूचना मिलने पर आपसे डायरेक्ट नहीं लेकिन मां के जरिए आपको कुछ एक्सट्रा पैसे दिलवाते हैं

कि उनकी बिटिया को सफर में कोई परेशानी न हो। ऐसा वो और बहुत कुछ करते रहे हैं और जब भी मौका मिलता है, आज भी करते हैं।

याद करें वो लम्हे

अगर याद करें तो अतीत में बिताए ऐसे कई लम्हे याद आ जाएंगे, जब पिता हमारे आस-पास रहकर चुपचाप हमारी केयर करते थे। जब आप पहली बार साइकिल चलाना सीखने की कोशिश में बार-बार गिर रही थीं, तब पापा ने ही साइकिल को पीछे से पकड़कर आपको संतुलित होना सिखाया था। लेकिन कभी जताया नहीं कि वह इस बात को लेकर कितना चिंतित रहते थे कि कहीं गिरकर आपको चोट न लग जाए। या स्कूल का वो पहला दिन, जब मां ने तो आंखें पोंछकर आपको विदा किया था लेकिन पापा स्कूल के गेट के पीछे से आपको तब तक देखते रहे थे, जब तक आप क्लासरूम में नहीं चली गई थीं। यह भी याद आएगा आपको कि जब किसी प्रतियोगिता में आप हारकर निराश हो गई थीं, तब पापा ने पीठ थपथपा कर कहा था, 'बेटा, कोशिश करना मत छोड़ना। तुम जरूर जीतोगी।' आपका तो हौसला बढ़ा दिया लेकिन आपकी निराशा को अपने भीतर लेकर कई दिन अनमने से बिताए थे।

जिम्मेदारियों तले दबा स्नेह

कई बार शांत दिखते समंदर के भीतर लहरों की हलचल भरी रहती है। ठीक उसी तरह ऊपर से चुप्पी साधे पिता के मन में भी हमारे लिए आगाध चिंता और प्यार छिपा होता है। जरूरत होती है बस, उस भाषा को समझने की। वास्तव में पिता की बेशुमार जिम्मेदारियां ही होती हैं, जो उनको बाहरी रूप से कठोर बना देती हैं। वे हमारी चिंता करते हैं, भविष्य बेहतर बनाने के लिए हर संभव प्रयास करने की सोचते हैं, लेकिन बिना किसी को प्रकट किए। ऐसा इसलिए कि शायद उन्हें लगता है कि उनका भावुक होना, उनके बच्चे को कमजोर कर देगा। वास्तव में उन्हें एहसास होता है कि उनकी छाया में उनके बच्चे हर तपिश से सुरक्षित हैं। इसीलिए वे अपने हर त्याग को हंसते हुए छुपा लेते हैं। सच, पिता बनने के बाद उनका जीवन अपनी संतान को ही समर्पित हो जाता है।

डाइट सजेशन

ललिता गोयल

अपनाएं सही डाइट प्लान बढ़ती एज में पापा रहेंगे हेल्दी

हर बेटी चाहती है कि उसके पिता का साया उसके सिर पर हमेशा बना रहे, उसके पिता हमेशा हेल्दी और फिट रहें। लेकिन बढ़ती उम्र के साथ हेल्दी और फिट रहने के लिए अन्य बातों के अलावा जरूरत होती है सही डाइट प्लान फॉलो करने की।

लो फैट फूड्स: उम्र बढ़ने के साथ पाचन क्रिया धीमी पड़ने लगती है। ऐसे में शरीर को फैट पचाने में कठिनाई होने लगती है। साथ ही हाई फैट वाली चीजों को खाने से कोलेस्ट्रॉल बढ़ता है और दिल की बीमारियों का रिस्क भी बढ़ता है। इसके अलावा इससे कब्ज की समस्या बढ़ जाती है। इसलिए बेटियां ध्यान रखें कि उम्र बढ़ने के साथ उनके पिता लो फैट वाले फूड्स का ही सेवन करें।

प्रोटीन है जरूरी: डाइट में प्रोटीन का होना बेहद जरूरी होता है। दरअसल, 50 से 60 की उम्र के बीच मांसपेशियां कमजोर होने लगती हैं। इसी वजह से हाथ-पैर में दर्द, हड्डियों से जुड़ी बीमारियां होने लगती हैं। इसलिए इन तमाम परेशानियों से बचे रहने के लिए डाइट में प्रोटीन से भरपूर फूड्स जैसे सोया मिल्क, टोफू, दूध, दही, पनीर और कुछ ड्राई फ्रूट्स शामिल करने चाहिए। आपकी पहली प्राथमिकता प्लांट बेस्ड प्रोटीन की होनी चाहिए, इसके अलावा मीट, चिकन, अंडे, फिश और सूखे मेवे का सेवन भी करवाया जा सकता है।

ओमेगा 3 फैटी एसिड: अपने पापा को ब्रोकली, कैबेज, हरी पत्तेदार सब्जियां, अखरोट, स्प्राउट्स, ग्रीन टी, बेरीज आदि का सेवन जरूर कराना चाहिए। इन सभी में ओमेगा 3 फैटी एसिड भी होता है, जो दिल की बीमारियों और कैंसर से बचाव करने में भी मदद करता है। ओमेगा 3 फैटी एसिड के सेवन से आंखें स्वस्थ रहती हैं। साथ ही यह अल्जाइमर यानी कि भूलने की बीमारी, इनसोमनिया (नींद ना आना), चिंता और अवसाद जैसे कई मानसिक रोगों से भी बचाता है।

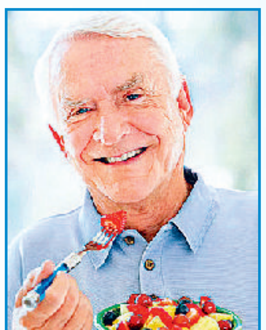

फाइबर है जरूरी: बढ़ती उम्र में आपको अपने पापा की डाइट में ऐसी सब्जी और फलों को शामिल करना होगा, जिनमें प्रचुर मात्रा में फाइबर मौजूद हो। फाइबर के जरिए ही कोलेस्ट्रॉल लेवल और ब्लड प्रेशर को संतुलित रखा जा सकता है।

विटामिन और कैल्शियम: बढ़ती उम्र के लोगों में हड्डियों को हेल्दी रखने के लिए कैल्शियम, और विटामिन डी की आवश्यकता होती है। कैल्शियम युक्त खाद्य पदार्थों जैसे दूध, हरी पत्तेदार सब्जियां, मछली आदि का सेवन पापा को करवाएं। विटामिन डी के स्रोतों में फैटी मछली, जैसे सैल्मन और अंडे आदि का सेवन करने को कहें।

(डाइटिशियन शीला सहरावत से बातचीत पर आधारित)

केयर

रजनी अरोड़ा

याद कीजिए, बचपन या किशोरावस्था में जब कभी आप किसी बात पर रूठ जाती थीं तो पापा ही सबसे पहले मनाने आते थे। आपको कभी अकेले या गुमसुम नहीं रहने देते थे। तो अब वृद्धावस्था में अगर वे अपने आपको एकाकी महसूस करते हैं तो आपको उन्हें अपने प्यार-स्नेह का संबल जरूर देना चाहिए।

एकाकी पिता को दें अपने प्यार-स्नेह का संबल

एक मजबूत और जिम्मेदार इंसान के तौर पर जिंदगी के हर मोड़ पर बच्चों की अच्छी परवरिश और कामयाब इंसान बनाने के लिए पिता सशक्त स्तंभ की भूमिका निभाते हैं। लेकिन ढलती उम्र में एक ओर जहां वे रिटायरमेंट के बाद खालीपन के फेज से गुजर रहे होते हैं, तो इसके साथ ही बच्चों के उच्च शिक्षा या करियर के लिए देश-विदेश बस जाने या फिर जीवनसंगिनी के साथ छोड़ जाने का दर्द भी उन्हें झेलना पड़ता है। ऐसे में कई बार एकाकी जीवन जीने को मजबूर हो जाते हैं।

एकाकीपन के कारण: सेवानिवृत्ति के बाद बढ़ती उम्र में एकाकीपन के कई कारण हो सकते हैं। पार्टनर के साथ छोड़ जाने का दुख, गतिशीलता में कमी और कई स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ता है। ब्रेन की फ्लेक्सिबिलिटी यानी न्यूरोप्लास्टिसिटी कम हो जाती है, जिससे डिमेंशिया, अल्जाइमर जैसी समस्याएं होने लगती हैं। सामाजिक सहभागिता कम होने और भावनात्मक अभिव्यक्ति न कर पाने की वजह से वो निराशा या कई तरह के मनोविकारों से घिर जाते हैं और खुद को अकेलेपन में समेट लेते हैं।

प्रसिद्ध मनोवैज्ञानिक अब्राहम मास्लो की नीड थ्योरी के अनुसार, इंसान को सिर्फ मूलभूत शारीरिक जरूरतें ही नहीं, बल्कि इमोशनल सिक्योरिटी, आत्मसम्मान और संबंधों में आत्मीयता, सहभागिता की भी जरूरत होती है। अकेले रह रहे पिता इन जरूरतों को और गहराई से महसूस करने लगते हैं। जब ये जरूरतें पूरी नहीं होतीं, यानी बच्चे उनके साथ संपर्क बनाकर नहीं रखते, तो मेंटल हेल्थ प्रभावित होती है।

बेटी से होता है ज्यादा जुड़ाव: वैज्ञानिक मानते हैं कि बेटियां अपने पिता के साथ भावनात्मक रूप से अधिक जुड़ी होती हैं। एमोरी यूनिवर्सिटी, अमेरिका की एक रिसर्च के अनुसार बेटियां भावनात्मक रूप से ज्यादा संवेदनशील और केयरिंग होती है। बेटियां पिता की भावनाओं, मूड और व्यवहार को बेहतर समझती हैं। उनकी बातों को इत्मीनान से सुनकर रिस्पोंड करती हैं और इमोशनल बॉन्डिंग बना लेती हैं। पिता भावनात्मक सुरक्षा और अपनापन मिलने की वजह से बेटों की तुलना में बेटियों से ज्यादा जुड़ते हैं, अधिक सहज महसूस करते हैं। बेटियों के चेहरे के हाव-भाव और आवाज के उतार-चढ़ाव को बेहतर तरीके से समझते हैं और अधिक सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हैं। ऐसे में बेटियों को चाहिए कि वे अपने पिता को भरपूर समय और स्नेह दें। इससे पिता का मानसिक स्वास्थ्य बेहतर रहेगा। दरअसल, हम सभी का एक इमोशनल कंफर्ट जोन होता है और वो जिंदगी की हर स्टेज में महत्वपूर्ण रोल निभाता है। बेटी और पिता में यह बहुत मजबूत संबंध होता है, जो उम्र बढ़ने के साथ बढ़ता रहता है। बस जरूरी है, बेटी को हर स्थिति में अपने पिता से जुड़े रहना। बेटी चाहे दूर हो या पास, पिता का ख्याल रखने, उनकी जरूरतों को पूरा करने का भरसक प्रयत्न करते रहना चाहिए।

हॉबी से जोड़ें: पापा के अकेलेपन को दूर करने के लिए गौर करें कि अगर पिता को गार्डेनिंग, पेंटिंग, रीडिंग का शौक है तो आपको उन्हें अपनी हॉबी को पूरा करने के लिए भी प्रेरित करना चाहिए। इसके लिए उन्हें उनकी रुचि की नई किताबें भेंट दे सकती हैं ताकि वे बोरियत महसूस न करें। या फिर किसी खास दिन पर पिता को सरप्राइजिंग गिफ्ट भी दे सकती हैं। निश्चय ही इससे उन्हें असीम खुशी का एहसास होगा।

(ब्रिटिश यूनि. बहरीन में साइकोलॉजी की प्रोफेसर डॉ. कोमल चावला से बातचीत पर आधारित)

खबर संक्षेप

कब्जा दिलवाने के लिए ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त

रोहतक। जिलाधीश धर्मेंद्र सिंह ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए जिले की महम तहसील के निंदाना गांव में चकबंदी के उपरांत कब्जा दिलवाने के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने के दृष्टिगत ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त करने के आदेश जारी किए है। 22 जून तक ग्रामीणों को कब्जा दिलवाए जाएंगे। जिलाधीश द्वारा जारी आदेश के तहत 10 जून तक लाखनमाजरा के नायब तहसीलदार प्रदीप अहलावत, 11 से 14 जून तक रोहतक के नायब तहसीलदार दीपक, 15 से 18 जून तक महम के नायब तहसीलदार राहुल बूरा तथा 19 से 22 जून तक सांपला के नायब तहसीलदार निंदाना में ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया है।

सड़क हादसे में दंपति सहित चार लोग घायल

गोहाना। दिल्ली-अमृतसर-कटड़ा एक्सप्रेसवे पर उतरते समय एक वाहन को तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। हादसे में पति-पत्नी समेत चार लोग घायल हो गए। पंजाब के लुधियाना में सेक्टर 14 लेबर कालोनी में रहने वाले राज कुमार ने पुलिस को बताया कि उनकी कालोनी और हरगोबिंद नगर से कई व्यक्ति गुरुग्राम में शीतला माता के दर्शन करने गए थे। वे दर्शन करने वापस लौट रहे थे। जब उनका वाहन दिल्ली-अमृतसर-कटड़ा एक्सप्रेसवे से गांव रुखी के निकट उतर रहा था तो सामने से तेज रफ्तार कार आई और उनके वाहन को टक्कर मार दी।

कार ने बाइक को टक्कर मारी, युवक की मौत

गोहाना। ककाना के निकट तेज रफ्तार कार ने पीछे से बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में रोहतक में गांव धामड़ के युवक की मौत हो गई। गांव खानपुर कलां के संजय ने पुलिस को बताया कि वह और रोहतक में गांव धामड़ का देवेंद्र अपनी-अपनी बाइक पर खानपुर से धामड़ जा रहे थे। देवेंद्र उसकी बुआ का लडक़ा था। देवेंद्र उसके आगे-आगे बाइक पर चल रहा था। गांव ककाना के निकट पीछे से तेज रफ्तार काले रंग की कार ने देवेंद्र की बाइक को टक्कर मार दी।

युवक अवैध शराब सहित गिरफ्तार, केस दर्ज

खरखौदा। पुलिस ने एक युवक को अवैध शराब के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपित बवाना का रहने वाला रोहित है। पुलिस की टीम गश्त पर थी। इस बीच सूचना मिली कि खरखौदा बाईपास किनारे बने प्लाट में कार खड़ी है, जिसमें अवैध शराब है। टीम ने कार्रवाई करते हुए प्लाट पर पहुंची तो वहां पर आल्टो खड़ी मिली। कार की जांच की तो उसमें 35 पेटी देशी शराब मार्का संतरा मिली।

पीजीआईएमएस में आउटसोर्स कर्मचारी बिफरे

अर्धनग्न होकर किया प्रदर्शन आमरण अनशन की चेतावनी

कर्मचारी नेताओं ने कहा कि पीजीआई प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी प्रदेश सरकार की छवि को खराब कर रहे हैं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रोहतक। काली पट्टी बांधकर व अर्धनग्न होकर प्रदर्शन करते कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

पीजीआईएमएस में आउटसोर्स कर्मचारियों ने एक बार फिर पीजीआई प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन किया। कर्मचारियों ने अर्धनग्न होकर नारेबाजी की और चेतावनी दी कि अगर जल्द ही समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो परिवार के साथ धरने पर आमरण अनशन शुरू करेंगे। आउटसोर्स कर्मचारी संगठन के सदस्य संदीप ने बताया कि हेल्थ यूनिवर्सिटी के वीसी ने निदेशक मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च डिपार्टमेंट हरियाणा को लिखे पत्र में स्वयं स्वीकार किया कि वर्तमान में यूनिवर्सिटी में विभिन्न श्रेणियों में ठेके पर लगाए बेयरर के लिए ठेकेदार एपी सिक्योरिटी सर्विस को हर माह 3 करोड़ 19 लाख 58 हजार 211 रुपये मासिक भुगतान किया जा रहा है। जबकि हरियाणा कौशल रोजगार निगम (एचकेआरएन) में अगर भर्ती की जाए तो यूनिवर्सिटी को आर्थिक लाभ भी होगा।

परिवार के साथ धरने पर बैठेंगे कर्मचारी

आउटसोर्स कर्मचारी संगठन के सदस्य अभिषेक ने बताया कि पिछले एक सप्ताह से धरना दे रहे हैं, लेकिन उनकी आवाज को सुनने वाला कोई नहीं है। कर्मचारियों ने भीख मांगकर, काली पट्टी बांधकर और आज अर्धनग्न होकर प्रदर्शन कर लिया, लेकिन पीजीआई प्रशासन के कानों पर जूं तक नहीं रेंग रही। अब उनके पास परिवार के साथ धरने पर बैठने के अलावा कोई चारा नहीं बचा है। भूखे मरने की नौबत आ गई है।

आरोप लगाने वाले सबूत दें

हड़तालरत कर्मचारियों एसएस कार्यालय के परिसर में ही जमीन पर बैठ गए और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए रोष प्रदर्शन किया। कर्मचारी नेताओं ने कहा कि पीजीआई प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी प्रदेश सरकार की छवि को खराब कर रहे हैं। कर्मचारी नेताओं ने कहा कि भ्रष्टाचारी अधिकारियों को सरकार और संस्थान की छवि से कोई सरोकार नहीं है, इनका उद्देश्य तो केवल अपनी जेब भरना है। कर्मचारी नेताओं ने बताया कि विजय पार्क में जब हम शांतिपूर्ण तरीके से प्रशासन के खिलाफ बैठे थे, तो आज फिर कुछ लोगों ने शरारत की। जिसके खिलाफ कर्मचारी आईजी हरियाणा पुलिस रोहतक रेंज से मिले और षडयंत्रों की जानकारी दी। कर्मचारी नेताओं ने कहा कि हमारे ऊपर चंदा उगाही का आरोप लगाने वाले असामाजिक तत्व या तो सबूत दें नहीं तो उनके खिलाफ हम कर्मचारी मानहानि की एफआईआर दर्ज करवाएंगे।

हड़ताल के विरोध में प्रदर्शन, निकाला मार्च, लगाया आरोप

कर्मचारियों को एचकेआरएन के नाम पर गुमराह कर रहे

कर्मचारियों को धमकाने और एचकेआरएन की लिस्ट से नाम कटवाने की धमकी देने के लगाए आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रोहतक। हड़ताली कर्मचारियों के विरोध में नारेबाजी करते कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

पीजीआई में चल रही हड़ताल के विरोध में कर्मचारियों ने प्रदर्शन किया और मेडिकल मोड तक मार्च निकाला। कर्मचारियों ने विजय पार्क में बैठे हड़ताली लोगों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और चंदा उगाही का गंभीर आरोप लगाया। कर्मचारियों ने बताया कि एचकेआरएन के नाम पर कर्मचारियों को गुमराह करके सबसे एक-एक महीने का वेतन चंदे के रूप में लिया जा रहा है। जो लोग विजय पार्क में हड़ताल कर रहे हैं, वे कर्मचारियों को यह कहकर चंदा उगाही कर रहे हैं कि हड़ताल में शामिल नहीं हुए और चंदे के तौर पर एक महीने का वेतन नहीं दिया तो एचकेआरएन में शामिल नहीं हो पाएंगे। अनिल, आशा, मंजू, रसभरी आदि ने बताया कि हड़ताली लोग कर्मचारियों को डरा रहे हैं कि हड़ताल में शामिल नहीं होने पर एचकेआरएन की लिस्ट से उनका नाम कटवा दिया जाएगा। कर्मचारियों को धमकाने और एचकेआरएन की लिस्ट से नाम कटवाने की बात जो लोग कर रहे हैं, उसका सबूत भी हमारे पास है।

बनाया जा रहा है दबाव: कर्मचारियों को गुमराह करके चंदा इकट्ठा किया जा रहा है और हड़ताल में शामिल होने के लिए दबाव बनाया जा रहा है। कर्मचारियों ने मांग की है कि चंदे की और विजय पार्क में हड़ताल पर बैठे लोगों की जांच होनी चाहिए। एचकेआरएन की बात करें तो यह काम पीजीआई प्रशासन और सरकार का है, इसमें हड़ताल पर बैठे लोग न तो किसी का नाम कटवा सकते हैं और न ही जुड़वा सकते हैं।

हड़ताल कर रहे लोगों को इकट्ठा करके दिया चंदा

प्रदर्शन कर रहे कर्मचारी पैसे इकट्ठा करके नारेबाजी करते हुए विजय पार्क के बाहर पहुंचे और हड़ताल कर रहे लोगों को ये रुपये दिए। कर्मचारियों ने हड़ताल कर रहे लोगों को कहा कि हमारे पास इतने ही रुपये इकट्ठा हुए हैं, लेकिन हम हड़ताल में शामिल नहीं हो सकते, हमें ड्यूटी करने दो।

मारपीट के आरोपियों को करें गिरफ्तार

अनिल और आशा ने बताया कि हड़ताल में शामिल नहीं होने पर हमारे साथ मारपीट की गई। इस मामले में केस भी दर्ज है, लेकिन अभी तक आरोपियों पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। हमारी मांग है कि मारपीट के आरोपियों को तुरंत गिरफ्तार किया जाए। इस मामले में पुलिस संज्ञान ले और कार्रवाई करे।

आज के दौर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस केवल विषय नहीं बल्कि आवश्यक कौशल बन चुका है: प्रो. राजबीर

■ फर्स्ट हैंड्स ऑन प्रैक्टिस इन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इंडस्ट्रियल रेडीनेस पर कार्यशाला का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रोहतक। कार्यक्रम को संबोधित करते कुलपति प्रोफेसर राजबीर सिंह। फोटो : हरिभूमि

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक में गणित विभाग द्वारा करियर काउंसलिंग एंड प्लेसमेंट सेल और रुहिल फ्यूचर टेक्नोलॉजी के सहयोग से फर्स्ट हैंड्स ऑन प्रैक्टिस इन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इंडस्ट्रियल रेडीनेस पर 9 जून से 8 जुलाई तक चलने वाले समर स्कूल का इनॉग्रल समारोह आयोजित किया गया। कुलपति प्रोफेसर राजबीर सिंह ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि आज के दौर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस केवल एक विषय नहीं बल्कि एक आवश्यक कौशल बन चुका है। इस एक माह की कार्यशाला में आप सभी ऐ आई बेस्ड नई तकनीकों से परिचित होंगे। इसके साथ ही अन्य विभागों के साथ भी इंटरडिसिप्लिनरी संवाद स्थापित कर सकेंगे, जिससे आपकी समग्र शिक्षा और दृष्टिकोण का विस्तार होगा।

रजिस्ट्रार डॉ कृष्णकांत गुप्ता ने कहा कि यह समर स्कूल केवल विद्यार्थियों के लिए नहीं, बल्कि शिक्षकों के लिए भी उतना ही महत्वपूर्ण है। हमें हर समय बाहरी विशेषज्ञों पर निर्भर नहीं रहना चाहिए। यह जरूरी है कि हम स्वयं विशेषज्ञ बनें और नई तकनीकों को आत्मसात करें। इसलिए ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भागीदारी सभी के लिए आवश्यक है।

डीन अकादमिक अफेयर्स प्रो. एएस मान ने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम अकादमिक विकास को औद्योगिक कौशलों से जोड़ने में सेतु का कार्य करते हैं। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि विश्वविद्यालय ऐसे व्यावहारिक मंचों को लगातार प्रोत्साहित करेगा ताकि विद्यार्थी हर क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन कर सकें। डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो रणदीप राणा ने मानसिक रचनात्मक गतिविधियों के बारे में विद्यार्थियों को जानकारी दी।

गणित विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. सुमित गिल ने विद्यार्थियों को इस समर स्कूल की रूपरेखा और उद्देश्य के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह प्रशिक्षण न केवल तकनीकी ज्ञान देने का माध्यम है, बल्कि विद्यार्थियों को इंडस्ट्री के लिए तैयार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस आयोजन में तकनीकी सहयोगी के रूप में शामिल रुहिल फ्यूचर टेक्नोलॉजी एक अग्रणी तकनीकी कंपनी है जो विद्यार्थियों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग और डेटा साइंस जैसे उभरते हुए क्षेत्रों में इंडस्ट्री-रेडी प्रशिक्षण प्रदान करती है। कंपनी ने इस समर स्कूल के दौरान लाइव डेमो, प्रैक्टिकल सेशन और प्रोजेक्ट-बेस्ड लर्निंग का अवसर प्रदान करेगी, जिससे छात्रों को वास्तविक उद्योग अनुभव प्राप्त हो सके। कार्यक्रम का समन्वयन प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर और डिप्टी डायरेक्टर ऑफ़ करियर काउंसलिंग एंड प्लेसमेंट सेल डॉ. मीनाक्षी हुड्डा और कोऑर्डिनेटर डॉ. मोनिका सांगवान के मार्गदर्शन में शोधार्थी नविता, कुसुमलता, अन्नू यादव और विकास ने किया। इस समर स्कूल में 270 विद्यार्थियों ने पंजीकृत किया, जिसमें से 30 विद्यार्थियों का चयन किया गया। इस अवसर पर प्रो. जितेंद्र सिंह सिक्का, प्रो. राजीव कुमार, डॉ. अंजू पवार, डॉ. एकता नरवाल सहित अन्य उपस्थित रहे।

स्त्री शक्ति संगठन ने शुरू किया राष्ट्रव्यापी आत्मरक्षा अभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

■ आत्मरक्षा की आवश्यकता को समझते हुए स्त्री शक्ति संगठन ने राष्ट्रव्यापी आत्मरक्षा अभियान का किया शुभारंभ

देश और समाज की वर्तमान परिस्थितियों में आत्मरक्षा की आवश्यकता को समझते हुए स्त्री शक्ति संगठन ने राष्ट्रव्यापी आत्मरक्षा अभियान आरंभ किया। इस अभियान के अंतर्गत झज्जर चुंगी के पास एसबीआई बैंक बिल्डिंग में स्थित डीएसओ स्पोर्ट्स एकेडमी एसबीआई के सहयोग से एक आठ दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें भाग लेने वाली बच्चों को शारीरिक सुरक्षा के साथ-साथ मानसिक, सामाजिक, आर्थिक, वैधानिक एवं साइबर सुरक्षा के प्रति भी जागरूक किया जाएगा।

बालिकाओं को विशेष रूप से इसका प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण शिविर के मुख्य अतिथि थर्ड वर्ल्ड मास्टर गेम्स में दो रजत पदक विजेता गुलशन शर्मा ने संगठन के कार्य की सराहना करने के साथ ही शिविर में भाग लेने वाले प्रशिक्षुओं को जीवन में आत्मरक्षा के महत्त्व किया। स्त्री शक्ति संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्ष ममता शर्मा ने संगठन की ओर से क्षेत्र के सभी विद्यालय, महाविद्यालय, विश्वविद्यालय, सभी स्पोर्ट्स अकैडमी स्पोर्ट्स एकेडमी, जिम ट्रेनर्स एवं संबंधित सभी शाखाओं द्वारा इस अभियान में युद्ध स्तर पर भाग लेने की आवश्यकता पर बल दिया। आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर के शुभारंभ पर डीएसओ स्पोर्ट्स एकेडमी के संचालक राकेश बधवार, प्रसिद्ध लेखक पवन गहलोत, सामाजिक कार्यकर्ता रेनू हुड्डा, योग प्रशिक्षक संगम एवं प्रशिक्षुओं के अभिभावक जन उपस्थित रहे।

जिला बार एसो. आरएसीए टीम ने जीती प्रतियोगिता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

मारियो क्रिकेट क्लब गुरुग्राम में क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। आरएसीए टीम के मैनेजर रजनीश हुड्डा एवं कैप्टन मोहित हुड्डा कि अगवानी में टीम ने खेले गए 7 लीग मैचों में से 6 मैच जीतते हुए क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। क्वार्टर फाइनल में डीएलजी को 70 रन से हराते हुए सेमी फाइनल में अपनी जगह पक्की की। डीएलजी के विरुद्ध जेडी ने 7 गेंदों पर 24 रन की शानदार पारी खेली और अपने चार ओवर के स्पैल में 24 रन देकर शानदार पांच विकेट भी हासिल किये। शानदार खेल के लिए जेडी को मेन ऑफ द मैच के खिताब से नवाजा गया। सेमी फाइनल में आरएसीए का सामना आयोजक एवं मेजबान टीम मारियो से हुआ। जिसमें आरएसीए की टीम ने मारियो टीम को एक तरफा 51 रन के अंतर से हराते हुए फाइनल में स्थान पक्का कर लिया। सेमी फाइनल मैच में उत्तम राठी ने 71 रन की पारी खेली और मैन ऑफ द मैच बने।

फाइनल मैच में सोहना की टीम ने टॉस जीत कर पहले गेंदबाजी का फैसला किया और पहले बल्लेबाजी करते हुए आरएसीए की टीम ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 233 रन बनाए। सोहना की टीम 19.1 ओवर में केवल 211 रन पर सीमट गई। फाइनल में मनीष हुड्डा ने तीन विकेट जेडी और अमित खोखर ने दो-दो विकेट हासिल किया। हरफनमौला खेल के कारण मनीष हुड्डा फाइनल मैच के मैन ऑफ द मैच रहे। मिनी दांगी को 21 गेंद का सामना करते हुए 61 रन बनाने पर फाइनल मैच का बेस्ट बैट्समैन का अवार्ड दिया गया। टूर्नामेंट में प्रवीण लोहान ने सबसे ज्यादा 447 रन बनाते हुए बेस्ट बैट्समैन और संदीप दहिया ने सबसे ज्यादा 19 विकेट लेने पर बेस्ट बॉलर का खिताब अपने नाम किया। रोहतक की टीम के चैंपियन बनने पर प्रधान दीपक हुड्डा और ने पूरी टीम को बधाई दी । महासचिव राजकरण पंघाल ने पूरी टीम को बधाई देते हुए कहा कि रोहतक बार की टीम ने रोहतक बार का नाम पूरे हरियाणा में रोशन किया है। क्रिकेट टीम पर रोहतक बार को नाज है। रजनीश हुड्डा टीम मैनेजर ने बात करते हुए बताया कप्तान मोहित हुड्डा की अगवानी में पूरी टीम जगदीप हुड्डा, मिनी दांगी, मनीष हुड्डा, जेडी, परवीन लोहान, देव नारा, उत्तम राठी, मोहित धनखड़, सुमित मलिक, संदीप दहिया, अमित दहिया मौजूद।

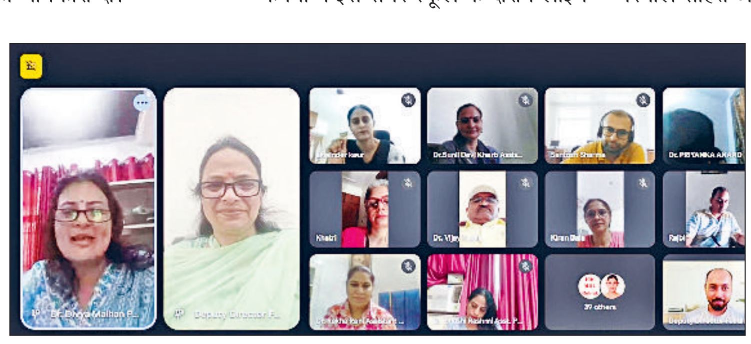

तनाव को जितना ज़्यादा थामे रखेंगे, उतना ही भारी लगेगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

एक शिक्षक ने अपनी कक्षा में एक गिलास पानी उठाकर पूछा यह कितना भारी है, छात्रों ने अंदाजे लगाए। शिक्षक मुस्कुराए और बोले इसका वजन मायने नहीं रखता, इसे कितनी देर तक थामे रखना है, वही थकान लाता है। तनाव भी कुछ ऐसा ही है, जितना ज़्यादा थामे रखेंगे, उतना ही भारी लगेगा।

इसी दृष्टिकोण के साथ, महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय में चल रहे रिफ्रेशर कोर्स अकादमिक एवं शोध के एकीकरण के माध्यम से सामाजिक समस्याओं का समाधान के पांचवें दिन, प्रबंधन अध्ययन एवं अनुसंधान संस्थान , एमडीयू की प्रोफेसर डॉ. दिव्या मल्हान ने 'तनाव से संवाद तक, घर और कार्यस्थल पर मानसिक संतुलन की खोज विषय पर सत्र का संचालन किया। इस सत्र में प्रतिभागियों को स्वयं से जुड़ने, अपने तनावों को लिखने, साझा करने और गहराई से समझने का अवसर मिला। सामूहिक चर्चा के माध्यम से यह उभरकर सामने आया कि तनाव केवल एक मानसिक स्थिति नहीं, बल्कि एक ऐसी प्रक्रिया है जो हमारी कार्यक्षमता, संबंधों और जीवन की गुणवत्ता को प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करती है। डॉ. मल्हान ने बताया कि तनाव के प्रमुख स्रोत, जैसे पारिवारिक जिम्मेदारी, कार्यस्थल की अपेक्षाएं, समय प्रबंधन की चुनौतियां और सामाजिक समर्थन की कमी, हम सभी के जीवन का हिस्सा है, लेकिन राहत और समाधान की राह भी हमारे ही भीतर है। कार्यस्थल पर तनाव को कम करने के लिए उन्होंने सुझाव दिया कि दिन की शुरुआत स्पष्ट कार्य योजना से की जाए, बीच-बीच में छोटे मानसिक ब्रेक लिए जाएं, कार्यस्थल को सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर बनाया जाए और सहकर्मियों के साथ सहयोगपूर्ण संवाद कायम रखा जाए। प्रो. मल्हान ने कहा कि जब हम अपने छात्रों से सच्चा जुड़ाव रखते हैं, उन्हें मित्रवत समझते हैं, उन्हें केवल शिक्षार्थी नहीं बल्कि टीम के सहयोगी मानते हैं, तब शिक्षण एक बोझ नहीं बल्कि आनंद बन जाता है। डॉ. मल्हान ने कहा कि हमें अपने कार्य को केवल जिम्मेदारी नहीं, बल्कि एक शौक़ की तरह अपनाना चाहिए। जब हम अपने काम में दिलचस्पी और खुशी के साथ जुड़ते हैं, तो वह तनाव का कारण नहीं बल्कि सुकून और संतुष्टि का स्रोत बन जाता है। इस अवसर पर डॉ. माधुरी हुड्डा, मेहर चंद, डॉ. अकविंदर कौर, ऋचा आदि मौजूद रहे।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के लिए विभागाध्यक्ष करवाएं ज्यादा से ज्यादा पंजीकरण: एडीसी

■ जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन राजीव गांधी खेल परिसर में किया जाएगा।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

अतिरिक्त उपायुक्त ने खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी से कहा कि इस कार्यक्रम के साथ पंचायती राज संस्थाओं के सरपंच व पंचों को भी जोड़े। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों की समीक्षा की तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत कार्यक्रम के प्रत्येक भागीदार को एक-एक पौधा वितरित किया जाएगा। इस अवसर पर जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी राजपाल चहल, उप सिविल सर्जन डॉ. दिनेश गर्ग, जिला कार्यक्रम अधिकारी दीपिका सैनी, सैनिक व अर्धसैनिक कल्याण विभाग की कल्याण अधिकारी विंग कमांडर गोरिका सुहाग, जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ. सतपाल, जिला खाद्य एवं पूर्ति नियंत्रक वरिंद्र सिंह, उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम के कार्यकारी अभियंता रामेंद्र मलिक, उप जिला शिक्षा अधिकारी राजबाला मलिक व परिवहन विभाग के यातायात प्रबंधक नवीन कुमार मौजूद रहे।

अतिरिक्त उपायुक्त नरेंद्र कुमार ने कहा कि सभी विभागाध्यक्ष अपने कार्यालयों के स्टाफ सदस्यों का अंतरराष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम के लिए पंजीकरण करवाए। आम जनता को भी पंजीकरण के लिए प्रोत्साहित किया जाए। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर 21 जून को जिला स्तर एवं खंड स्तर पर कार्यक्रम आयोजित होंगे, जिनमें हजारों प्रतिभागी भाग लेंगे। नरेंद्र कुमार ने लघु सचिवालय स्थित सभागार में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों की समीक्षा कर रहे थे। इस अवसर पर सांपला के उपमंडलाधीश उत्सव आनंद, रोहतक के उपमंडलाधीश आशीष कुमार, नगर निगम के संयुक्त आयुक्त भूपेंद्र सिंह, नगराधीश अंकित कुमार भी उपस्थित रहे। एडीसी ने सभी विभागाध्यक्ष अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के लिए विभाग के लिंक व टोल फ्री नंबर के माध्यम से अपने कार्यालय के स्टाफ का ज्यादा से ज्यादा पंजीकरण करवाएं। इस कार्यक्रम के साथ शिक्षण संस्थाओं, निजी विद्यालयों को भी जोड़ा जाए।

एडीसी ने कहा कि 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन स्थानीय राजीव गांधी खेल परिसर में किया जाएगा। जिले के चार खंडों पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। महम के लिए हुडा पार्क, कलानौर खंड के लिए कलानौर स्थित बसाना रोड पर अनाज मंडी, सांपला खंड के लिए सांपला स्थित सर छोटूराम महिला महाविद्यालय तथा लाखनमाजरा खंड के लिए लाखनमाजरा स्थित राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में खंड स्तरीय योग दिवस कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

मानसरोवर हॉस्पिटल
REQUIRES
BAMS 6
PRO 5
RMO 5
नजदीक पी.एन.बी. बैंक, विकास नगर के सामने, सोनीपत रोड, रोहतक
Tel. :- +91-1262-253500 Mobile: 9254302848, 9053005599

खबर संक्षेप

रोहतक। मुख्य सचिव की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान अतिरिक्त उपायुक्त नरेंद्र कुमार व अन्य।

एक पेड़ मां के नाम अभियान को बनाएं सार्थक : एडीसी

रोहतक। अतिरिक्त उपायुक्त नरेंद्र कुमार ने एक पेड़ मां के नाम 2.0 अभियान को सार्थक बनाने का आह्वान किया है। अतिरिक्त उपायुक्त सोमवार को अभियान को लेकर मुख्य सचिव की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के उपरांत अधिकारियों की बैठक को संबोधित कर रहे थे। नरेंद्र कुमार ने कहा कि अभियान के तहत ऐसे पेड़ लगाए जिनका लाभ मनुष्य के अलावा पक्षी और जानवरों को भी मिल सके। उन्होंने कहा कि ऐसी जगह पर पौधरोपण न करें, जहां पर उसकी देखरेख ही नहीं हो सके। विरानजगह में पौधा लगाने का मतलब उसके जीवन को समाप्त करना है। उन्होंने कहा कि पौधारोपण ऐसे स्थान पर किया जाए जहां संबंधित विभाग का कर्मचारी उसकी देखभाल कर सके। लगाए गए पौधे में पानी, खाद इत्यादि दी जा सके। उन्होंने कहा कि रोपे गए पौधे के अस्तित्व को बनाए रखना भी हमारी जिम्मेदारी है।

बहलबा गांव में खेत से सोलर सिस्टम चोरी

महम। बहलबा गांव के एक खेत से किसान की सोलर प्लेट चोरी हो गई। पुलिस ने इस संबंध में अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पुलिस को दी शिकायत में जोहन सिंह पुत्र वजीर सिंह ने बताया कि उसने अपने खेत तमें पांच साल पहले 10 एचपी का सोलर सिस्टम लगवाया था। जिसको किसी अनजान व्यक्ति ने चोरी कर लिया। जोहन सिंह ने बताया कि यह सोलर सिस्टम उसकी पत्नी अनिता के नाम पर खरीदा गया था।

पुरस्कार के लिए 31 जुलाई तक करें आवेदन

रोहतक। उपायुक्त धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि गणतंत्र दिवस 2026 के अवसर पर घोषित किए जाने वाले पद्म पुरस्कारों नामत पद्म विभूषण, पद्म भूषण व पद्मश्री के लिए गृह मंत्रालय की ओर से ऑनलाइन नामांकन करने के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं, जिसके लिए अंतिम तिथि 31 जुलाई है। नामांकन करने वाले व्यक्ति एक व्याख्यात्मक प्रशस्ति-पत्र भी जिसमें अनुसंशित व्यक्ति की संबंधित क्षेत्र/विषय में विशिष्ट और अन्य उपलब्धियों/सेवाओं का स्पष्ट उल्लेख हो, प्रस्तुत किया जाए। महिलाओं, समाज के कमजोर वर्गों, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों, दिव्यांग लोगों तथा निस्वार्थ सेवा करने वाले लोगों में से उन प्रतिभावान व्यक्तियों की पहचान के लिए मिलकर प्रयास किये जाये, जिनकी उत्कृष्टता और वास्तव में सम्मान की हकदार है।

मदवि में दसवें सेल्फी विद डॉटर डे सम्मान समारोह का आयोजन, 17 राज्यों से आई लड़कियों ने लिया भाग

पिता की गालियां छुड़वाने वाली पश्चिम बंगाल की राईहाना को बेस्ट अवार्ड

नवजात बेटी की सेल्फी अपलोड करने पर मध्य प्रदेश की पंचायत को सम्मान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

सेल्फी विद डॉटर अभियान के दस वर्ष पूरे होने पर महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय में राज्य स्तरीय समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में महाराष्ट्र, जम्मू-कश्मीर, हरियाणा, पंजाब, हिमाचल समेत 17 राज्यों की लड़कियों और उनके अभिभावकों ने भाग लिया। समारोह के दौरान पश्चिम बंगाल की राईहाना को बेस्ट अवार्ड दिया गया। राईहाना ने अपने पिता की गालियां को बंद करवाने का अभियान अपने ही घर में चलाया हुआ है। उसके माता-पिता बातचीत में भी गालियों का प्रयोग करते थे। राईहाना ने बताया कि यह एक मानसिक रोग है। अब 60 प्रतिशत तक उसके पिता का गालियों पर नियंत्रण हो गया है।सेल्फी विद डॉटर पंचायत अवार्ड मध्य प्रदेश के नरसिंहपुर जिले के गोटे गांव खेड़ा की पंचायत को दिया गया है। गोटे गांव खेड़ा की पंचायत ने कुल 27 पंचायतों को पछाड़ते हुए यह सम्मान हासिल किया है। आज का यह कार्यक्रम कन्या भ्रूण हत्या रोकने व गाली बंद घर अभियान को समर्पित किया गया। वहीं बेस्ट सेल्फी ऑफ द ईयर का अवार्ड नोएडा की खुशी पुत्री शीतल को दिया गया है। उसकी माता ने अपने बल पर खुशी का पालन पोषण करके सफल महिला उद्यमी बनाया। खुशी सिंगल मदर चाइल्ड है और कुछ समय पहले तक धारा प्रवाह गालियां देती थी। दो साल से सेल्फी विद डॉटर के साथ जुड़कर काम कर रही हैं और अब 70 फीसदी तक गालियों पर नियंत्रण आ गया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रचारित सेल्फी विद डॉटर अभियान की शुरुआत 9 जून 2015 को हरियाणा के जींद जिला से हुई थी। इस अवसर पर सुनील जागलान ने ऐलान किया कि 11वें वर्ष के दौरान देश के विभिन्न राज्यों में कन्या भ्रूण हत्या रोकने व गाली बंद घर अभियान को गति दी जाएगी। सम्मान समारोह के दौरान एमडीयू के कुलपति डॉ. प्रो.राजबीर सिंह, आरसीआई की चेयरपर्सन डॉ.शरणजीत कौर ने गोटे गांव खेड़ा की सरपंच प्रियंका को सम्मानित किया गया। सरपंच प्रियंका ने गांव में पैदा होने वाली हर लड़की की फोटो सेल्फी विद डॉटर पर अपलोड की। उन्होंने अपने गांव में महिला हितेषी कई योजनाओं को लागू किया। इस अवसर पर यूनिवर्सिटी आउटरीच प्रोग्राम की निदेशिका प्रो. अंजू धीमान, महिला अध्ययन केंद्र की निदेशिका प्रो. शालिनी सिंह, चीफ कंसल्टेंट, यूनिवर्सिटी आउटरीच प्रोग्राम प्रो. राजकुमार, डीन स्टूडेंट वेलफेयर प्रो. रणदीप राणा, डीन सीडीसी प्रो. विनीता हुड्डा सहित अन्य मौजूद रहे।

रोहतक। राज्य स्तरीय समारोह में सम्मानित होने पर सेल्फी लेती खुशी अपनी मां शीतल के साथ और अवार्ड विजेताओं को सम्मान देते अतिथि।

कुलपति प्रो. राजबीर सिंह समारोह की अध्यक्षता

एमडीयू के यूनिवर्सिटी आउटरीच प्रोग्राम, डीन स्टूडेंट वेलफेयर ऑफिस, वूमेन स्टडी सेंटर और सेल्फी विद डॉटर फाउंडेशन द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में भारतीय पुनर्वास परिषद की चेयरपर्सन डॉ. शरणजीत कौर बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की, जबकि एमडीयू कुलपति प्रो. राजबीर सिंह समारोह की अध्यक्षता की।

दिल्ली निवासी और अब इंग्लैंड में रहने वाली रमिका तीसरी विजेता

मूल रूप से दिल्ली निवासी और अब इंग्लैंड में रहने वाली रमिका पुत्री सुनीता इस साल की तीसरी विजेता हैं। रमिका सामाजिक आर्थिक व शैक्षणिक क्षेत्र में कार्य करने वाले नेशनल यूथ आर्ट ट्रस्ट यूके की निदेशक हैं। वह इंग्लैंड में सेल्फी विद डॉटर का प्रचार कर रही हैं। आरसीआई की चेयरपर्सन डॉ. शरणजीत कौर ने कहा कि इस अभियान ने दिव्यांग लड़कियों को अपना हिस्सा बनाकर नई पहचान दी है। कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने कहा कि औरत को जितने ज्यादा सशक्त बनाएंगे समाज उतना सशक्त बनेगा। उन्होंने कहा कि शिक्षा के साथ-साथ इस कार्यक्रम को भी विश्वविद्यालय स्तर पर बढ़ाया जाएगा। विवि में दाखिले के दौरान ही लड़कियों को इस मुहिम से जोड़ा जाएगा। प्रो. राजबीर सिंह ने सुनील जागलान की इस अभियान के लिए सराहना करते हुए कहा कि अगले साल से सेल्फी विद डॉटर दिवस के आयोजन का प्रसार किया जाए, जिसमें विवि प्रबंधन उनका सहयोग करेगा।

रजिस्ट्रार कृष्णकांत ने स्वयं रचित कविता सुनाकर भावुक किया

एमडीयू के रजिस्ट्रार कृष्णकांत ने स्वयं रचित कविता सुनाकर सभी लोगों को भावुक कर दिया। कार्यक्रम में विशेष अतिथि किया मोटरर्ज की निदेशक प्रीति बंसल ने कहा कि इस कार्यक्रम के साथ जुड़कर वह गौरवान्वित महसूस कर रही हैं। सेल्फी विद डॉटर फाउंडेशन के अध्यक्ष सुनील जागलान ने सेल्फी विद डॉटर अभियान के दस वर्ष पूरे होने की यात्रा का ब्यौरा दिया। सेल्फी विद डॉटर अभियान कार्यक्रम में दिव्यांग रिदम, बीडीपीओ मोनिका, महाराष्ट्र के सेवाग्राम की पूर्व सरपंच सुजाता, हरियाणा की सोनिया ढांडा, मध्य प्रदेश के देवास गांव के सरपंच रोहित तिवारी और मेवात की अंजूम इस्लाम ने अपनी जिंदगी की कहानियां साझा की। गार्गी और मोनिका ने मंच संचालन किया।

मदर इंडिया स्कूल मोखरा में सीबीएसई स्कूल शिक्षकों की क्षमता संवर्धन पर हुई कार्यशाला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महम

मोखरा गांव स्थित मदर इंडिया वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में सीबीएसई स्कूलों के शिक्षकों की क्षमता संवर्धन कार्यशाला शुरू की गई। प्राचार्य राजवीर सिंह ने बताया कि इस ट्रेनिंग प्रोग्राम में सीबीएसई के रिसोर्स पर्सन मोहित कुमार भी शामिल हुए। कार्यक्रम में प्राचार्य राजवीर सिंह, निदेशक बिजेंद्र आचार्य, कोऑर्डिनेटर ऋषि कुमार व प्राइमरी हेड पूनम शर्मा व रिसोर्स पर्सन मोहित कुमार ने मां सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलित करके व पुष्प अर्पित करके कार्यक्रम की शुरुआत की। टीचर्स को ट्रेनिंग देते हुए मोहित कुमार ने हैप्पी टीचर्स, हैप्पी क्लासरूम, स्ट्रेस मैनेजमेंट, नई शिक्षा नीति 2020 के बारे में विस्तार से समझाया। नई शिक्षा नीति का मुख्य उद्देश्य शिक्षा को छात्र-केंद्रित बनाना, रटने की प्रणाली को खत्म करना और कौशल विकास पर जोर देना है। शिक्षण कार्य को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए टीचर्स को टिप्स दिए गए।

अतिक्रमण हटाया, डेयरी वालों के 20 हजार के चालान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

नगर निगम ने शहर में अवैध अतिक्रमण और गंदगी फैलाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की है। नगर निगम आयुक्त डॉ. आनंद कुमार शर्मा के निर्देश पर एन्फोर्समेंट टीमों ने शहर के प्रमुख मार्गों से अतिक्रमण हटाया। वहीं सफाई शाखा की टीम द्वारा मालगोदाम रोड की डेयरियों में निरीक्षण किया गया तथा गोबर बहाने वाले दो डेयरी संचालकों के 20 हजार रुपये के चालान किए गए। डॉ. आनंद कुमार शर्मा ने कहा कि नगर निगम की एन्फोर्समेंट टीमो की टीमें सख्ती से कार्य कर रही है। नगर निगम की टीमो को निर्देश दिए जा चुके थे कि वे अतिक्रमण व अवैध फलैक्स बोर्ड लगाने वालो पर कार्यवाही करें। टीम ने सोमवार को दिल्ली बाईपास, पावर हाउस, अशौका चौक, मेडिकल मोड़, कैनाल रेस्ट हाउस, छोटूराम चौक, शांतमई इत्यादि स्थानों से बोर्ड, तख्त, तिरपाल, कुर्सियां, मेज आदि सामान जब्त किया गया। डॉ. आनंद कुमार शर्मा ने नगर निगम की टीमों को यह भी निर्देश दिए गए है कि चौक-चौराहो पर लगे पोस्टर-बैनर तुरंत हटवाए जाए।

रोहतक। डेयरी संचालक को चालान देते नगर निगम टीम।

फ्लैक्स व बोर्ड इत्यादि सामान जब्त करते नगर निगम टीम।

डैफेटेरिया-समावेशी फूड ट्रक की यात्रा पर प्रकाश डाला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के होटल एवं पर्यटन प्रबंधन संस्थान के निदेशक प्रो. आशीष दहिया ने सोमवार को जामिया मिलिया इस्लामिया के मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र द्वारा यात्रा, पर्यटन एवं आतिथ्य प्रबंधन विषय पर आयोजित रिफ्रेशर कोर्स में समावेशी उद्यमिता, डैफेटेरिया की केस स्टडी विषय पर व्याख्यान दिया। प्रो. आशीष दहिया ने डैफेटेरिया- समावेशी फूड ट्रक की यात्रा पर प्रकाश डाला, जो भारत का पहला विश्वविद्यालय-इनक्यूबेटेड फूड ट्रक उद्यम है, जो आतिथ्य क्षेत्र में सम्मानजनक रोजगार और अनुभवात्मक शिक्षा के माध्यम से वाक और श्रवण बाधित समुदाय को सशक्त बनाता है। उन्होंने बताया कि एमडीयू के सेंटर फॉर इनोवेशन, इन्क्यूबेशन एंड एंटरप्रेन्योरशिप (सीआईआईई) के इनक्यूबेशन समर्थन के तहत विकसित, पद्मजय द्वारा विचारित और पैशन प्रेन्योर साहिल सहारन और मंदीप द्वारा जीवंत किए गए डैफेटेरिया ने अपने समावेशी बस्टॉरेंट मॉडल, टिकाऊ संचालन और अतिथि जुड़ाव में भारतीय सांकेतिक भाषा (आईएसएल) के एकीकरण के लिए राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त की है। इस सत्र को भारत भर के शिक्षक प्रतिभागियों से उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली, विशेष रूप से इसके वास्तविक दुनिया के प्रभाव, फूड ट्रक संचालन में सर्टिफिकेट कोर्स के माध्यम से एकेडमिक एकीकरण और संयुक्त राष्ट्र विकास लक्ष्यों के साथ संरेखण के लिए।

समावेशी नवाचारों को बढ़ावा दे सकते हैं : दहिया

प्रो. आशीष दहिया

प्रो. दहिया ने इस बारे में भी जानकारी साझा की कि कैसे उच्च शिक्षा संस्थान अपने शैक्षणिक पारिस्थितिकी तंत्र के भीतर सहानुभूति-संचालित, सामाजिक रूप से टिकाऊ उपक्रमों को पोषित करके समावेशी नवाचारों को बढ़ावा दे सकते हैं। रिफ्रेशर कोर्स भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा शुरू किए गए शिक्षक प्रशिक्षण के लिए मालवीय मिशन के तहत एमएमटीटीसी-जामिया के चल रहे क्षमता निर्माण प्रयासों का हिस्सा था।

अधिकारियों ने समाधान शिविर में नागरिकों की शिकायतें सुनी, अधिकारियों को दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

उपायुक्त धर्मेंद्र सिंह ने समाधान शिविर में नागरिकों की शिकायतें सुनी गई तथा मौके पर उपस्थित संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देशानुसार सप्ताह के प्रत्येक सोमवार व वीरवार को जिला मुख्यालय एवं उपमंडल मुख्यालय पर समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे है ताकि एक छत के नीचे नागरिकों की शिकायतों का तुरंत समाधान हो सके। उपमंडलाधीश आशीष कुमार ने जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रदीप कौशिक तथा नगर निगम के संयुक्त आयुक्त भूपेंद्र सिंह के साथ लघु सचिवालय में शिकायतें सुनी।

रोहतक। शिविर में लोगों की समस्याएं सुनते अधिकारी।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20,
फोन : 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नही हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5×8 सें.मी 10×8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
सिटी कार्यालय :- हरिभूमि, कृषि विज्ञान केन्द्र के सामने, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9996959400
मुख्य कार्यालय :- हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9253681019-20

कन्या चरित्र निर्माण एवं योग शिविर में बोले वैद्य सत्यप्रकाश

आयुर्वेद में है सुखी जीवन का आधार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

सार्वदेशिक आर्या युवती परिषद एवं बेटी बचाओ अभियान के संयुक्त तत्वाधान आयोजित राष्ट्रीय कन्या चरित्र निर्माण एवं योग शिविर में सोमवार को जहां आयुर्वेद पर चर्चा हुई वही बेटियों को योग एवं वैदिक सिद्धांतो की जानकारी दी गई। रोहतक के नाड़ी वैद्य कायाकल्प संस्थान के संचालक नाड़ी वैद्य सत्यप्रकाश आर्य ने स्वामी इंद्रवेश विद्यापीठ मे चल रहे राष्ट्रीय कन्या चरित्र निर्माण एवं योग शिविर में प्रवचन दिया। उन्होंने युवतियों को आयुर्वेद औषधियों के बारे में बताते हुए कहा कि आयुर्वेद में सुखी जीवन का आधार है। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद औषधि नहीं, बल्कि आहार है। आयुर्वेद में सभी रोगों का स्थायी इलाज है और इसके दुष्परिणाम भी नहीं हैं। अतः लंबा व सुखी जीवन जीने के लिए आयुर्वेद को अपनाये। उन्होंने सर्दी, गर्मी या मौसम तब्दीली के कारण खांसी, जुकाम या एलर्जी होने पर अंग्रेजी दवा नहीं लेने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि अंग्रेजी दवा लेने से दमा बन जाता है और आपको हमेशा दवाई खानी पड़ती है। खांसी-जुकाम हो जाए तो हल्दी व एक चम्मच चीनी या फिर फटकरी का फुल्ला या स्फटिक भस्म दो रति गुड़ के साथ खाने से खांसी व जुकाम ठीक हो जाता है। नाक में सरसों का तेल या गाय का घी डालने से नजला सही हो जाता है।

रोहतक। शिविर में भाग लेते छात्राएं।

रोहतक। सत्यप्रकाश आर्य को स्मृति चिन्ह देते आर्य समाजी।

युवक एवं युवतियां देश की रीढ़

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय में संस्कृत के पूर्व विभागध्यक्ष डॉक्टर बलबीर आचार्य ने कहा कि युवक एवं युवतियां देश की रीढ़ होते हैं। इसलिए युवाओं का नैतिक रूप से चरित्रवान होना, राष्ट्र भक्त होना परम आवश्यक है। उन्होंने योग को दैनिक जीवन का अंग बनाने का आह्वान करते हुए संकल्प दिलवाया। बहन पूनम आर्या ने संध्या एवं यज्ञ का प्रशिक्षण दिया। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में फिजिक्स के पूर्व विभाग अध्यक्ष डॉक्टर भूप सिंह आर्य ने बेटियों को कहा कि जो बात तर्क, विज्ञान एवं सृष्टि नियम ओर वेद के अनुकूल है वहीं धर्म की श्रेणी में माननी चाहिए।

युवा सम्मान समारोह 12 को

बहन प्रवेश आर्या ने बताया कि 12 जून को शिविर समापन पर पूर्व सांसद एवं आर्य नेता स्वामी इंद्रवेश की 19वीं पुण्यतिथि के अवसर पर युवा संकल्प एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। जिसमे उत्तरप्रदेश से स्वामी सुमित्रानंद को आर्य विरक्त सम्मान, चंडीगढ़ विश्वविद्यालय में दयानन्द चेयर के अध्यक्ष डॉ. विक्रम विवेकी तथा राजस्थान के आचार्य वेदप्रिय को आर्य विद्वत सम्मान, बिजनौर के नरेश दत्त को आर्य भजनोपदेशक सम्मान, पूर्व विधायक अजित सिंह, रामनिवास आर्य तथा अशोक आर्य को युवा संगठन कर्ता सम्मान एवं कुमारी अंजलि आर्या, कुमारी पूजा आर्या को आर्य वीरांगना सम्मान से सम्मानित किया जाएगा।

नपा ने लगाया लाल डोरा सम्पति स्वामित्व प्रमाण पत्र का कैंप

महम। कैंप में लोगों की समस्याओं का समाधान करते नगर पालिका अधिकारी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महम

नगरपालिका महम की तरफ से अंबेडकर चौपाल वार्ड नंबर 13 महम में लाल डोरा स्वामित्व प्रमाण पत्र देने, प्रॉपर्टियों के स्वयं प्रमाणित और प्रॉपर्टी आईडी में त्रुटि को दूर करने के लिए कैम्प का आयोजन किया गया। जिसमें वार्ड 13 तथा आसपास की कालोनियों के आमजन को प्रॉपर्टी टैक्स तथा प्रॉपर्टी त्रुटियों को दूर करने बारे बताया गया। कैम्प में लाल डोरा स्वामित्व के 5 प्रमाण पत्र दिए गए तथा मौके पर ही प्रॉपर्टी टैक्स में दुरुस्ती की गई। अब तक नगर पालिका द्वारा 80 लाल डोरा प्रमाणपत्र तथा प्रॉपर्टियों के स्वयं प्रमाणित किया जा चुका है। सचिव नवीन नांदल ने बताया कि गृहकर दाता द्वारा अपना गृहकर 31 जुलाई तक जमा करवाया जाता है तो सरकार द्वारा 10 प्रतिशत की छूट गृह कर में दी जा रही है इसलिए गृह कर दाता सरकार द्वारा दी जा रही छूट का फायदा उठाएं। नगर सचिव ने शहरवासियों से अपील है कि महम शहर को लाल डोरा मुक्त करने के लिए सभीआवेदन करें तथा अपना स्वामित्व का अधिकार प्राप्त करें। कैंप के दौरान लोगों को शहर को स्वच्छ रखने तथा नगर पालिका द्वारा की जा रही नालों की सफाई में सहयोग करने को कहा जिससे बारिश में जलभराव व बीमारी ने फैले। इस मौके पर नगर पालिका प्रधान भारती पंवार, उप प्रधान बसंत लाल गिरधर, सचिव नवीन नांदल, आशीष लिपिक, प्रिंस लिपिक और संजय मौजूद रहे।